667062

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या ..........

# माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

## उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय ......उर्दू......

परीक्षा का दिन ......~~1 अप्रैल 2024~~ सोमवार......

दिनांक ......1 अप्रैल 2024......

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

**परीक्षक हेतु निर्देश :–** (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

**प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)**

| प्रश्नों की क्रम संख्या | प्राप्तांक | प्रश्नों की क्रम संख्या | प्राप्तांक |
|---|---|---|---|
| 1 | 15 | 19 | 3 |
| 2 | 6½ | 20 | 4 |
| 3 | 10 | 21 | 4 |
| 4 | 2 | 22 | 4 |
| 5 | 2 | 23 | |
| 6 | 2 | 24 | |
| 7 | 2 | 25 | |
| 8 | 2 | 26 | |
| 9 | 2 | 27 | |
| 10 | 2 | 28 | |
| 11 | 2 | 29 | |
| 12 | 2 | 30 | |
| 13 | 2 | 31 | |
| 14 | 2 | योग | 79½ |
| 15 | 2 | प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off) | |
| 16 | 3 | अंकों में | शब्दों में |
| 17 | 3 | 80 | अस्सी |
| 18 | 3 | | |

परीक्षक के हस्ताक्षर ...... संकेतांक | 3 | 4 | 5 | 2 | 3 |

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 179/2024

## परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

اقبال کی شعری خصوصیات -

اقبال نے خودی کو قرآن مجید سے پیش کیا ہے

اقبال کا مشہور شعر -

"تو شاہین ہے کام ہے پرواز تیرا
اک آسمان کے آگے بھی آسمان ہے -"

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

اور لندن میں بیرسٹری کی تعلیم حاصل کی اور
ساتھ میں P.H.D کی تعلیم بھی حاصل کی
اور اپنے وطن واپس آگئے اور وکالت کا پیشہ آپ کا
کو پسند نہ آنے پر آپ نے قلم کو ہی روزگار
بنالیا اور آپ نے ~~مضمون~~ سری مضمون لکھے ہے
سری مضمون - بال جبریل
ضرب کلیم
ارمغان حجاز
وغیرہ - وغیرہ سفری مضمون لکھے ہیں اور
آپ کو چند اعزازوں سے بھی نوازا گیا جیسے
ساہتیہ اکیڈمی ، نیوں ایوارڈ وغیرہ وغیرہ
اور آپ کا انتقال 1930 کو لاہور میں
ہوا۔

BSER-179/2024

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(جواب - 22)

# علامہ اقبال کی حالاتِ زندگی #

6

نام - علامہ اقبال

تخلص - اقبال

پیدائش - 1877 کو سیالکوٹ

وفات - 1938 کو

شعرِ مجموعہ - بالِ جبریل ، ضربِ کلیم ارمغانِ حجاز وغیرہ

علامہ اقبال ایک مشہور نظم نگار ہونے کے ساتھ ساتھ عالمی شاعر بھی تھے آپ کے دادا پردادا کشمیری پنڈت تھے جو امان لاکر سیالکوٹ میں آکر بس گئے اور آپ کی پیدائش 1877 کو ہوئی اور عربی فارسی کی تعلیم گھر سے حاصل کی اور اور اعلیٰ تعلیم الہ آباد سے ہوئی اور مزید تعلیم کے لئے لندن کا سفر کیا اور کچھ لاہور سے اعلیٰ تعلیم حاصل کیے اور وہیں کے لکچرار بن گئے اور برسٹر کی تعلیم کی کر

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

بڑھ گئی اور پھر آپ کو پڑھنے لکھنے کا بڑا شوق

تھا اس لئے آپ کے من میں پڑھائی کو

آپ کا پورا نام علی حیدر طباطبائی ہے اور

آپ کی پیدائش لکھنؤ میں 1853ء کو ہوئی اور

ابتدائی تعلیم یہیں سے حاصل کی اور اعلی تعلیم

کے لئے آپ نے سہارنپور اور لاہور کا سفر کیا

اور آپ کی والد لکھنؤ کے نوابی خاندان سے تعلق

رکھتی تھی اور سہارنپور اور لاہور سے MA - BA

کی تعلیم حاصل کی اور مزید تعلیم کے لئے آپ

نے ایران کا سفر کیا اور روزگار نہ ملنے پر واپس

آگئے اور آپ کے دو کام بڑے نمایاں ہے آپ نے

تھامس گرے کی کتاب کا اردو ترجمہ کیا

اور دیوان غالب کی اردو شرح لکھی

آپ کا انتقال 1904 کو ہوا۔

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

اسی وقت کے اخیر بادشاہ بہادر شاہ ظفر کا درباری شاعر داغ دہلوی کا انتقال ہو چکا تھا تو درباری شاعر غالب کو بنا لیا اور اچھے کلام کی وجہ سے تین القاب سے نوازہ

القاب - (i) غالب جنگ
(ii) دبیر الملک
(iii) نجم الدولہ

(جواب - 21)

4

# طباطبائی کی حالات زندگی #

نام - علی حیدر
تخلص - طباطبائی
پیدائش - 1853
وفات - 1904

علی حیدر طباطبائی ایک مشہور نظم نگار ہیں اور آپ کی پیدائش 1853 کو لکھنؤ ہوئی اور والد صاحب پیشے سے امارتی لکڑی کے تاجر تھے اور ایک بار ضرورت میں زیادہ گھاٹا آگیا تھا اور اسی کے چلتے آپ کی پڑھائی بند کر دی

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

سالوں بعد بڑے شاعر بن گئے اور دہلی میں
کہیں پر بھی مشاعرہ ہوتا تو غالب کو ضرور بلایا جاتا
اور ایک بار مشاعرہ ہو رہا تھا وہاں پر علی بخش
بھی تھے اور وہ اپنی بیٹی امراؤ بیگم کے نکاح
کا پیغام غالب کو دیا اور وہ خوشی پیغام قبول
کر لیا اور دہلی میں خوش گوار زندگی بسر کرنے لگے اور
آپ نے سب سے پہلے عربی میں لکھنا شروع کیا اور
بعد میں فارسی میں اور بعد میں اردو میں لکھنا شروع
کیا اور آپ کا انتقال 1869 کو دہلی میں ہوا

کتابیں - (i) پنج آہنگ
(ii) مہر و نیم روز
(iii) دستنبو

اور آپ کے خطوط کے مجموعہ
(i) خطوط غالب
(ii) اودھی ہندی
(iii) اردو معلی

BSER 179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

(SECTION-D)

(جواب - 20)

4

# مرزا غالب کی حالات زندگی #

نام - مرزا غالب
تخلص - غالب
والد - عبداللہ بیگ
والدہ - عزت النساں بیگم
پیدائش - 1797 کو دہلی آگرہ
وفات - 1869 دہلی

آپ کا پورا نام مرزا اسداللہ بیگ ہے اور آپ کی پیدائش 1797 کو آگرہ میں ہوئی اور جب آپ پانچ سال کے ہوئے تو والد عبداللہ بیگ کا انتقال ہو گیا۔ اور پرورش کی ذمہ داری والدہ عزت النساں پر آگئی اور تعلیم کی ذمہ دار چچا نصراللہ پر آگئی اور جب آپ کی عمر نو کی ہوئی تو چچا کا بھی انتقال ہو گیا اور آپ پریشان ہوکر دہلی میں آگئے اور آپ کی ملاقات امام بخش ناسخ سے ہوئی اور آپ ان سے شعر و شاعری سیکھنے لگے اور جب

BSER-179/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

اور کہتی ہے کہ اے آدم آپکے لئے خدا نے اتنا
بڑا فضا بنایا ہے اور آسمان بنائے ہیں اور زمین و چاند
اور سورج بنائے ہیں یہ سبھی آپ کے لئے خدا نے بنایا ہے
بس آپ کو اپنی پوری محنت لگانی ہوگی تبھی
تم اس دنیا کو خوش نما بنا سکتے ہو اور
ترقی کر سکتے ہو
اسی طرح زمین آدم کا استقبال کرتی ہے۔

سفر " خودی کو کر بلند اتنا کی ہر تقدیر سے پہلے
خدا بندے سے خد پوچھے کہ بتا تیری رضا کیا ہے "

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

(جواب - ١٩)

نظم روح ارضی آدم کا استقبال کرتی ہے کا خلاصہ -

یہ نظم علامہ اقبال کی ایک مشہور نظم ہے جو

کی ایک مکالماتی نظم ہے اور بال جبریل سے

ماخوذ ہے جس میں علامہ اقبال صاحب زمین اور آدم

کے بیچ باتیں کی واتیں ہیں اور پھر زمین آدم سے سے

کہتی ہے کی اے آدم آپ کو اس دنیا میں آنا مبارک

ہو - اور اب آپ اس دودنیا کے اور دونیا کی ہر چیز

کو اپنے تابع کر سکتے ہو اور بڑے بڑے کام بھی کر

سکتے ہو آپ اس دنیا میں من چاہے ترقی کو کر سکتے

ہو سب آپ کو اس دنیا کو خوش نما بنانے کے لئے اس

دنیا کے اپر اپنی محنت کرنی ہوگی اور آپ کی محنت

کی وجہ سے آپ بڑے بڑے کام کر سکتے ہیں اور اتنے

بڑے بڑے کام کرو کی فرستے بھی رشک کریں -

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

(ب)

"پرسش غم کو وہ آئے تو ایک عالم ہوگا
دیدنی کیفیت قلب و جگر بھی ہوگی"

سیاق وسباق - "مندرجہ بالا شعر معین احسن جزبی"
کی غزل سے ماخوذ ہے -

تشریح - شاعر معین احسن جزبی صاحب اس
اسعر سے فرماتے ہیں کی میرا محبوب میرے اس غم
کو دور کرنے آئے گا جب میرا محبوب میرا حال پوچھنے
کے لئے جب آئے گا تو میری کیفیت اور قلب جگر میں
ایک عالم ہوگا اور محبوب سے ملاقات کرنے کے
بعد میرا غم دور ہو جائگا اور میرے محبوب
کی یادیں میرے ذہن میں اسطرح بسی ہوئی ہے کی
میرے محبوب سے ابھی میرے ملاقات کروادو -

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

(جواب - 18)

(ا) "اب سوق سے بگاڑ کی باتیں کیا کرو
کچھ پا گئے ہیں آپ کی طرزِ بیان سے ہم"

سیاق و سباق -

مندرجہ بالا شعر ہمارے درسی کتاب گلستان ادب کی غزل سے لیا گیا شعر ہے اس شعر کے شاعر نوازا الطاف حسین حالی ہیں۔

تشریح -

حالی اس شعر میں ~~کہتے~~ فرماتے ہیں کی مجھے میرے محبوب کی آواز سے اتنا زیادہ پیار و محبت ہو گئی ہے کی مجھے میرے محبوب کی گالیاں بھی بری نہیں لگتی اور اب مجھے اور گالیاں دو یا کچھ بھی برا بھلا کہو مجھے کچھ فرق نہیں پڑتا ہے مجھے تو آپکے بولنے کا طرز سے ہی محبت ہو چلی ہے۔ اور اب آپ کا من چاہے اتنی عالیا گالیاں بکوں۔

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

3

اور وہ گھوم پھر کے واپس جانے کے فراق میں ہوتی
ہے تو اس کو وہ لفافہ اس سنگار دانی میں ملتا ہے اور
وہ کھول ہی رہی ہوتی ہے تو اس کے ہاتھوں پر ایک
کاکروچ آکے گر جاتا ہے اور وہ جھٹ سے اسی کو پھنک دیتی
ہے تو اس میں اس کی پندرہ سالہ پورانی پاریس ملتی
اور وہ وہیں پر رونے لگتی ہے اور کہتی ہے کی وقت
گزرتا جاتا ہے اور ہمیں پتہ بھی نہیں چلتا ہے اور جہاں بھی
ہم جاتے ہیں فنا بھی ہمارے ساتھ جاتی ہے اتنی ہی
دیر میں فوٹو گرافر پوچھتا ہے کی آپ کے سوہر نہیں
آئے تو وہ جواب دیتی ہے اور کہتی ہے کی وہ اسی گمنام
پہاڑی میں کہیں کھو گئے ہیں
اتنے میں یہ افسانہ پورا ہو جاتا ہے۔

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

لینا ہے ابھی تو اُنھیں تھوڑا آرام کرنے دو اور
بعد میں نہا دھوکر آرام سے فوٹو کھچوا لیجئے تو
فوٹو گرافر زور کرتا اور آخر میں فوٹو کھینچ لیتا ہے
اور کہتے ہے کی آپ کی فوٹو شام کو آپ کو مل
جائےگا تو وہ دونوں اس گیسٹ ہاؤس میں آرام کرنے چلے
جاتے ہیں اور انہیں وہ فوٹو شام کو مل جاتی ہے اور پھر
وہ اس فوٹو کو سگار دانی میں رکھ دیتے ہیں اور پھر وہیں
بھول جاتے ہیں اور وہاں سے چلے جاتے ہے اور فوٹو
پیلے لفافے میں اسی سگار دانی رہ جاتا ہے اور پھر
پندرہ سال گزر جاتے ہیں اور اب رقاصہ اس گیسٹ
ہاؤس میں جاتی ہے مگر موسیقار نہیں تو فوٹو گرافر اس
پاس بھی نہیں ہوتا اور وہ اب بہت زیادہ بوڑھی اور
ادھیڑ ہو چکی تھی اتفاقاً اس کو وہی کمرا مل گیا
جس میں وہ پندرہ سال پہلے موسیقار کے ساتھ آئی تھی

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

من ہی من سوچتا ہے کی کاش ! مجھے بھی ایسی
خوب صورت اور حسن جمال و موہنی بیوی مل جائے -

( جواب - ١٧ )

8

# فوٹو گرافر کا خلاصہ #

قرۃالعین حیدر کا مشہور افسانہ فوٹو گرافر ہے
جس میں حیدر صاحبہ نے دو کردار کو نشانہ بنایا
ہے رقاصہ اور موسیکار ہیں -
قرۃالعین حیدر اس افسانہ میں کہتے ہیں کی موسیکار
اور رقاصہ دونوں سکون کی تلاش میں گمنام پہاڑی
کے گیسٹ ہاؤس میں جاتے ہیں اور انہیں دور سے ایک
فوٹو گرافر دیکھتا ہے اور وہ ٹینے کے نیچے لڑکی کی کرسی پر
امر دراز فوٹو گرافر آنے والے سیاحوں کی فوٹو کھیچتا تھا
اور ان کو دیکھتے ہی وہ دوڑا ان کے پاس چلا
آتا ہے لیکن رقاصہ منع کر دیتی ہے کی ابھی نہیں فوٹو

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

کرنے کے بعد پشاور میں کاروبار شروع کیا تھا اور اس
کاروبار میں آمدنی کی صورت نظر آنے لگی تو فسادوشروع ہوگئے
اور مجھے ادھر ادھر بھاگنا پڑا اور چاروں طرف افراتفری
مچی ہوئی تھی اور اب نئے سرے سے کام کرنے کا
خیال ہے۔

عورت کی آنکھوں میں اداسی کی جھلک دکھائی دی
کیونکہ عورتیں ہوتی ہی نرم مزاج کی اس لئے وہ اپنے آپ کو
سنبھال نہ پائی۔ اور اسی وقت وہ کچھ خوش
سی نظر آرہی تھی اور دل سے بڑی دکھی سی لگ رہی تھی
اور پھر امکانات اسی موقع کا فائدہ اٹھاتے ہوئے
اس کے حسین اور خوب صورت جسم کو دیکھتا ہے
اور خدو خال کا بغور جائزہ لینے لگتا ہے۔
اور سوچتا ہے کی کیا وہ میری خاطر اداس تھی
بس یہیں پر جاکر لمحے کے لئے اداس ہوئی اور بعد میں

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

(SECTION - C)

(جواب - ۱۶)

میں اس طرح - - - - - - - - - - - بیوی مل جائے

سیاق وسباق - مندرجہ زیل اقتباس ہمارے نصاب میں شامل درسی کتاب "گلستان ادب" کے سبق "لمحے" سے ماخوز ہے اس کے مصنف "بلونت سنگھ" ہیں -

تشریح - مشہور افسانہ نگار بلونت سنگھ اپنے اس افسانے میں مرکزی کردار اماکانت کو بناتے ہیں اور ایک رات اماکانت کناٹ پلیس جانے والی بس کا انتظار کر رہا تھا اور سب کچھ ہوا بس بھی ملی اور وہ اس بس میں بیٹھا بھی تھا اور اس حسین عورت سے باتوں ہی باتوں میں سب کچھ پوچھ لیتا ہے تو وہ بتاتی ہوئی کہتی ہے کہ میں اس طرح گھبرا گئی کیا تھا میں نے پنجاب یونیورسٹی سے بی-اے

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

(جواب - 14)

مختصر افسانہ کی تعریف -

افسانہ ایسے قصّے اور کہانیوں کو
کہتے ہیں جسمیں ہماری زندگی کے جیتے جاگتے سچے واقعات کو
پیش کیا جاتا ہے اسمیں جھوٹی باتوں کا کوئی واسطہ نہیں ہوتا
اسمیں زندگی کے کسی خاص پہلو کو اجاگر کیا جاتا ہے۔

(جواب - 15)

مطلع - غزل کے سب سے پہلے مصرعہ کو مطلع کہتے ہیں
جس میں ہم ردیف اور اہم قافیہ ہوتے ہیں -

جواب -

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

(جواب - 11

اقبال کی پیدائش -
اقبال 1877ء کو سیال کوٹ میں
پیدا ہوئے تھے۔

(جواب - 12

مصنف نے اپنے جنم دن پر رات کو کھانا کھایا۔
مصنف نے
اپنے جنم دن پر رات کو پڑوسیوں کے گھر سے چوری کی ہوئی
صرف ایک روٹی کھاتا ہے۔

(جواب - 13

نرمل ورما کے دو افسانوی مجموعے
نرمل ورما کے دو
افسانوی مجموعے 59 یہ ہیں -
(i) جلتی جھاڑی
(ii) کوّا اور کالا پانی
(iii) وے دن

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
| --- | --- | --- |

(جواب - 8)

آرزو لکھنوی کے کلام کے دو مجموعے -
(i) سو فغان آرزو
(ii) جہانِ آرزو

(جواب - 9)

زندگی ہے تو بہر حال بسر بھی ہوگی -
اس شعر سے ساعر کی یہ
مراد ہے کی زندگی اللہ نے دی ہے اور وہی زندگی دیا ہے تو وہی
زندگی کو گزروائیگا اور ہم اس زندگی میں ہمیسہ کے لئے تھوڑی رہنے
ہے ایک دن سبھی کو جانا ہے زندگی تو جیسی تیسی گزر ہو جائیگی -

(جواب - ۱۰)

کیا پھول کھلے ہیں منھ اندھیرے -
اس مسرع سے یہ مراد
ہے کی ساعر کہنے چاہتے ہیں کی جیسے ہی میں سوکے اٹھتا ہوں
تو میرے ذہن دل دماغ اور آنکھوں کے سامنے میرے محبوب کا چہرا
سامنے آجاتے کوہی کیا پھول کھلے ہیں منھ اندھیرے کہا ہے -

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

(SECTION - B)

(جواب - 4)

2 ناول میں خوشی سے ہماری پہلی ملاقات ← اپنی گم
سرا بیٹر کے کم

(جواب - 5)

ملک ہوا کا بادشاہ مرتے وقت کہتا ہے -
ملک ہوا کا بادشاہ مرتے

2 وقت اپنے بیٹے سے کہتا ہے کی ملک ہوا کا سارے دروازے کھول
لینا مگر اس سرنگ والا دروازہ کبھی بھی مت کھولنا -

BSER-179/2024

(جواب - 6)

سجاد ظہیر کا خط نقوش زنداں میں شامل ہے - اپنی بیگم
2 رضیہ کو جو خط لکھے تھے

(جواب - 7)

2 خواجہ حسن نظامی کی پیدائش - 1878ء کو دہلی میں

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

سفر وہیں پر روک دیا اور اب وہ نہ امیر ہو گیا ہے اور
اب اپنے محبوب کی تلاش میں نہیں لگا ہوتا کو ہی قافلوں نے
ٹوٹے جمالیت کو کہا ہے۔

(vi) اقبال کی شاعری کا ایک مجموعہ ۔
" ~~بال جبریل~~ باغ درا " اقبال
کی شاعری کا مجموعہ ہے۔

(vii) چیخوف کو جوانی میں لگی بیماری ۔
" دِق " کی بیماری چیخوف
کو بھری جوانی میں لگی تھی۔

(viii) بوڑھے مچھوارے کے جانے کے بعد ۔
بوڑھے مچھوارے کے جانے کے
بعد وہاں اسکی جگہ پر مصنف بیٹھا تھا۔

(ix) مکتوب نگاری کا مخاطب ۔
مکتوب نگاری کا مخاطب " مکتوب علیہ "
ہوتا ہے۔

(x) نظم ۔ نظم عربی زبان کا لفظ ہے۔

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

(جوابات - 3)

(i) قرۃ العین حیدر کے والد کا نام سجاد حیدر یلدرم ہے

(ii) باہر کے ملکوں نے ایک ماچس ~~ایک پیسہ~~ ایک ہزار روپیہ میں بیچنا شروع کر دی تھی -

(iii) 1937 کو پنجاب کسان کمیٹی کا سالانہ اجلاس امرتسر کے جلیہ والا باغ میں ہوئی تھی

(iv) اوّل شب و بزم کی رونق ___ میں اول شب کے معنی ہے کی اوّل شب و بزم کی رونق جیسے ہی شما روشن کی جاتی ہے تو پروانہ نفی بھی اس شما کے چاروں اور چکر لگاتے اور جیسے ہی شما عل پہ بشر ہوجاتی ہے تو پروانہ بھی چلے جاتے ہیں شما سے مراد محبوب ہے اور پروانہ سے مراد عاشق کے -

(v) منزل نہ ملی تو قافلوں نے ڈیرے جما لئے -

منزل نہ ملنے پر قافلوں نے "رستے" میں جما لئے ڈیرے یعنی محبوب کے نہ ملنے سے عاشق اب پریشان ہو گیا ہے اور اب ملاقات سے نہ امید ہو جاتا ہے اور اپنا

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|
| | | (xiv) ( A ) ویکوم محمد بشیر |
| | | (xv) ( B ) پنڈی |
| | | ( جوابات - 2 ) |
| | | (i) فلموں / پرندہ |
| | | (ii) مچھر پرندہ |
| | | (iii) 1927ء علیگڑھ الآثار |
| | | (iv) کلام |
| | | (v) منانا |
| | | (vi) سہارت |
| | | (vii) الکڑیوں |

BSER-179/2024

| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|
| | | (جوابات - 2) |
| | | (i) (B) ویران |
| | | (ii) (C) سلطانہ |
| | | (iii) (A) امامت |
| | | (iv) (D) طلسم خیال |
| | | (v) (A) پاکستان |
| | | (vi) (C) احمد جمال پاشا |
| | | (vii) (B) حالی |
| | | (viii) (A) معین احسن جذبی |
| | | (ix) (D) غزل |
| | | (x) (B) اقبال |
| | | (xi) (D) 1904 |
| | | (xii) (C) ماورا |
| | | (xiii) (D) روسی |

BSER-179/2024

रफ कार्य



| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|
| | | (xiv) |
| | | (xiv) ( A ) وکرم سمر بشیر |
| | | (xv) ( B ) ہنری |
| | | ( جوابات - 2 ) |
| | | (i) فلموں |
| | | (ii) مچھر |
| | | (iii) 1927ء علی گڑھ |
| | | (iv) کلام |
| | | (v) میخانا |
| | | (vi) |
| | | (vii) لکڑیوں |

BSER-179/2024

रफ कार्य



| परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|---|---|---|

BSER-179/2024

(SECTION - A)

(1 - جوابات)

(i) (B) ویرانہ

(ii) (C) سلطان

(iii) (A) امامت

(iv) (D) طلسم خیال

(v) (A) پاکستان

(vi) (A) احتشام حسین

(vii) (B) حالی

(viii) (A) معین احسن جذبی

(ix) (D) غزل

(x) (B) اقبال

(xi) (D)

(xii) (C) ماورا

(xiii) (D) (دوسی)